Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019

M.A. Philosophy (Semester: Fourth)

Philosophy

सांख्य–योग

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. सांख्यदर्शन के अनुसार वेद पौरुषेय हैं अथवा अपौरुषेय? प्रमाण देकर अपने कथन की पुष्टि करें।
2. जब आत्मा स्वरूप से ही असङ्ग है – "असङ्गो ह्ययं पुरुषः" तो फिर ध्यानादि के लिए प्रयत्न क्यों किया जावे?
3. "चिदवसाना मुक्तिः तत्कर्मार्जितत्त्वात्" – सूत्र की सप्रसङ्ग विस्तृत व्याख्या करें।
4. कर्म कितने प्रकार के हैं एवं व कौन–कौन स हैं? इनका अभाव कैसे सम्भव है? विस्तृत व्याख्या करें।
5. आत्मभाव भावना क्या है? उसकी निवृत्ति कैसे सम्भव हो सकती है?

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. "ततः क्लेशकर्मनिवृत्तिः" – इस सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
2. कैवल्य क्या है? योगदर्शन म कितनी बार इसका वर्णन किया है? सप्रमाण लिखें।
3. कपिल ऋषि के मत में कर्मानुसार शरीर भेद कितने प्रकार का है? प्रत्येक की संक्षिप्त व्याख्या लिखें।
4. "तदाविवेकनिम्नं कैवल्यप्रागभारं चित्तम्" – सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या लिखें।
5. सांख्यकार आत्मा की कृतकृत्यता किस रूप में मानते हैं? सप्रमाण बतायें।
6. विवेक दृढ़ करने हेतु सांख्यकार क्या उपाय बताते हैं?

खण्ड–स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पाँच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(05×01=05)**

1. सिद्धियाँ कितने प्रकार से प्राप्त की जा सकती हैं ?
2. धर्ममेघ समाधि क्या है? लक्षण बतायें ?
3. क्रम किसे कहते हैं ?
4. कपिल ऋषि के मत में कौन-सी वस्तु नित्य और कौन-सी अनित्य हैं ?
5. सांख्यकार के मत में आत्मा कर्ता है या अकर्ता ?

----------X----------